रेलगाड़ी की कहानी

प्रस्तावना ,आदर्श पठन ,शब्दार्थ

CLASS: IV
SUBJECT : (HINDI)
CHAPTER NUMBER: 13
TOPIC: रेलगाडी की कहानी

SUB TOPIC: प्रस्तावना ,आदर्श पठन ,शब्दार्थ

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

चिंतन- मनन

आदिकाल में मनुष्यों के पास यातायात के साधन नहीं थे धीरे-धीरे सभ्यता के विकास के साथ आवागमन के लिए कुछ साधनों की आवश्यकता हुई। आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है। यातायत के अनेक साधन अस्तित्व में आए यातायत के नवीनतम साधनों ने मनुष्य की यात्रा को सुख व रोमांचकारी बना दिया।

घूमना हम सभी को पसंद है। आप कहाँ- कहाँ घूमने जाते हैं? आप किस- किस साधन से यात्रा करते हैं ?किस साधन से यात्रा करना आपको सबसे मजेदार लगा?

चलना मनुष्य का स्वभाव है। पानी भी चलता है, हवा भी चलती है ,समय भी चलता है और मनुष्य भी चलता है। बहुत समय पहले लोग इधर से उधर जाने के लिए मीलों पैदल चलकर यात्रा करते थे । कई बार यात्रा इतनी लंबी होती थी कि सालों लग जाते थे । यात्री बीमार होकर मर भी जाते थे।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

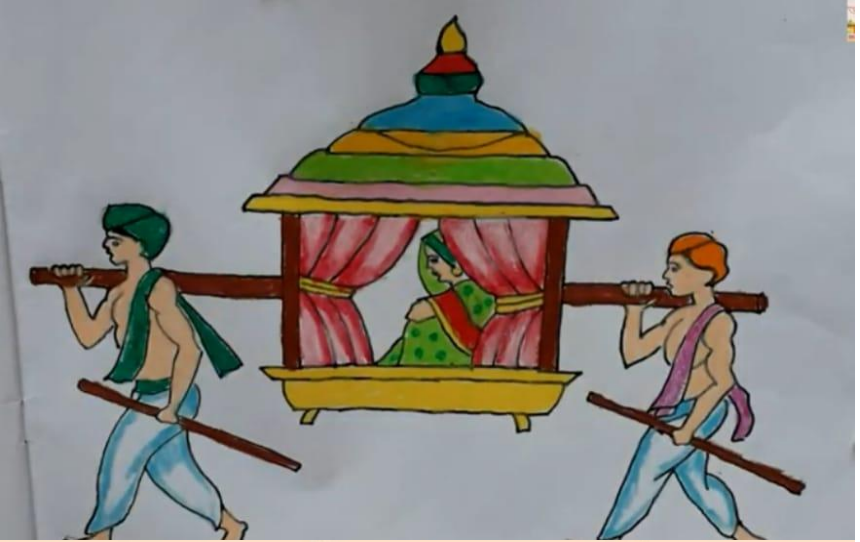

फिर आई पालकी। लंबी यात्रा के लिए पालकियाँ काम में लाई जाने लगी लाई जाने लगी ।इन्हें चार लोग उठाते थे, मगर रास्ते में चलते-चलते थके लोगों की जगह लेने के लिए आठ या बारह लोग भी साथ चलते थे। पालकी का प्रयोग खासकर तब किया जाता था, जब साथ में स्त्रियां होती थीं।

लंबी यात्रा थका देने वाली थी, अतः लोगों ने घोड़ों पर सवारी करने की सोची। इसमें समय भी कम लगता था और थकावट भी कम होती थी।अतः बड़े-बड़े राजा - महाराजा हाथी- घोड़ों पर सवारी करते थे । आम आदमी को यह महँगे पड़ते थे, अतः छोटे-मोटे व्यापारी अपना माल गधे पर लादने लगे।

एक बार एक तुर्की व्यापारी नेता ना कर दिया कि मूर्ख लोग ही नदियों को पार करने के लिए उनके सूखने का इंतजार करते हैं इसी बात की चुभन से पहले लकड़ी के लड्डू को नदी में बहा कर उसी साइड से नदी को पार करना शुरू किया गया और बाद में नाथद्वारा यात्रा करने का चलन आरंभ हुआ के आविष्कार से सर्व प्रथम रेलगाड़ी द्वारा यात्रा सुगम वस्ती लगने लगी धीरे-धीरे से मशीन चलने वाली गाड़ियां सड़कों पर दौड़ने लगी

लकड़ी की गाड़ी, गाड़ी पे घोड़ा ।

और सोचो फिर आदमी का दिमाग इतना दौड़ा कि एक दिन देखा गया कि घोड़ा सरपट भाग रहा था और उसके पीछे लंबी रेलगाड़ी जुड़ी थी ।पहली रेलगाड़ी कुछ ऐसी थी की उसे वैगन कहा जाता था ।लकड़ी की पटरी और उस पर चलने वाले डिब्बे और डिब्बों को खींचते घोड़े टप -टपा- टप- टप।

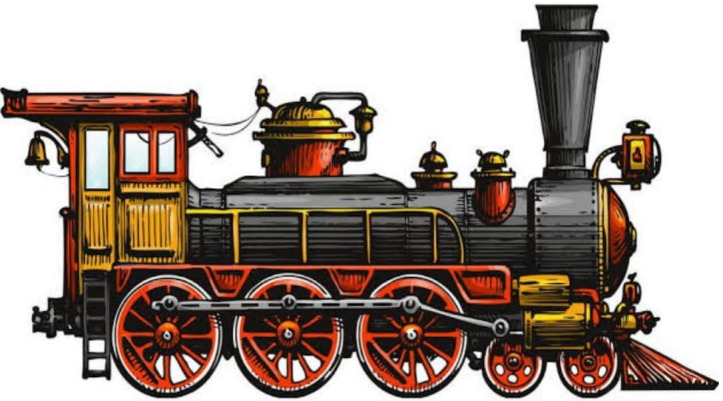

लकड़ी की पटरियाँ जल्दी ही टूटने लगीं, इसलिए लोहे की पटियाँ बनाई गई। इसे रैक रेलगाड़ी कहा गया। जब पहली बार भाप के इंजन का निर्माण हुआ ,तो उसे नाम दिया
कैच मी हू कैन (जो भी मुझे पकड़ सके) और फिर तो लोकोमोशन ,बुलेट ट्रेन ,मेट्रो ,एरोड्रेन्स(हवाई रेलगाड़ी), मोनो रेल(ऊपर की पटरी से चलने वाली ट्रेन) आदि कई नाम जुडते चले गए।

शब्दार्थ

यात्रा -सफर,
आविष्कार- खोज ,
स्वभाव -आदत,
सर्वप्रथम -सबसे पहले
व्यापारी- व्यापार करने वाला,

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

शिक्षण प्रतिफल

- इस पाठ के माध्यम से बच्चों ने कुछ नए शब्दों की जानकारी हासिल की ।
- यातायात संबंधित कई बातें जानी ।
- कल और आज में आई यातायत परिवर्तन को समझा।

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP